

जन्म कुंडली से भविष्य कैसे जाने?



जन्म कुंडली से भविष्य कैसे जाने?



   @drvinaybajrangi

 www.vinaybajrangi.com

For IOS

For Android

हिंदू धर्म में जन्म-कुंडली को किसी भी व्यक्ति का भविष्य देखने का सबसे सटीक और अहम तरीका माना जाता है। आज भी बच्चे के जन्म लेते ही सर्वप्रथम उसकी कुंडली बनाई जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म कुंडली किसी व्यक्ति के जीवन का आंकलन करने का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। किसी व्यक्ति की **जन्म कुंडली** उसकी जन्म तिथि, जन्म स्थान और जन्म समय को ध्यान में रखकर बनाई जाती है। इसी जानकारी के आधार पर एक अनुभवी ज्योतिषी कुंडली के अलग-अलग भावों में स्थित ग्रहों की जांच करके भविष्य का पता लगाने में सक्षम होता है।

जन्म कुंडली क्या है?



जन्मकुंडली आपके जन्म के समय के ग्रह-नक्षत्रों को दशाओं और घटनाओं का एक स्नेप-शॉट यानी चित्रण होता है। जन्म कुंडली किसी व्यक्ति के भूत, वर्तमान और भविष्य की घटनाओं को जानने का सर्वोत्तम साधन हैं। जन्म कुंडली/[Janam Kundli](#) में कुल 12 भाव होते हैं जोकि जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी चरणों की जानकारी देते हैं।

कुंडली के 12 भावों से जीवन के हर अध्याय के बारे में पता किया जाता है

प्रथम भाव – जन्म और व्यक्ति का स्वभाव

द्वितीय भाव – धन, नेत्र, मुख, वाणी, परिवार

तृतीय भाव – पराक्रम, छोटे भाई-बहन, मानसिक संतुलन

चतुर्थ भाव – माता, सूख, वाहन, प्रापर्टी, घर

पंचम भाव – संतान और बृद्धि

षष्ठम भाव – रोग, शत्रु और ऋण

सप्तम भाव – विवाह, जीवनसाथी, पार्टनरशिप

अष्टम भाव – आयु, खतरा, दुर्घटना

नवम भाव – भाग्य, पिता, गुरु, धर्म

दशम भाव – कर्म, करियर, व्यवसाय, पद

एकादश भाव – दोस्ती, लाभ, अभिलाषा, पूर्ति

द्वादश भाव – खर्चा, नुकसान, मोक्ष

कुंडली विश्लेष करने के बाद जब यह पता चल जाता है कि कुंडली/[kundali](#) के किस भाव में कौन सा ग्रह है, तो जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे प्रेम, विवाह, शिक्षा, करियर आदि पर उनके प्रभाव को समझना आसान हो जाता है। जन्म के समय व्यक्ति की कुंडली में अनेक ग्रहों की स्थिति उनकी विशेषताओं, पसंद, नापसंद आदि को परिभाषित करने में मदद करती है।

जन्म कुंडली से जानें विवाह की भविष्यवाणी



जन्म कुंडली का सप्तम भाव विवाह से जुड़ी भविष्यवाणी करता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली का सप्तम भाव विवाह का भाव होता है। सप्तम भाव में स्थित ग्रह और नक्षत्रों का विश्लेषण करके यह पता लगाया जा सकता है कि आपका विवाह कब होगा, आपका जीवनसाथी कैसा होगा और आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा या नहीं?

करियर भविष्यवाणी

जन्म कुंडली के माध्यम से आप अपनी योग्यता के अनुसार सही करियर चुनाव कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली का दशम भाव, करियर और व्यवसाय को दर्शाता है। दशम भाव में स्थित शुभ ग्रह जैसे सूर्य, गुरु, मंगल आपके लिए एक मजबूत करियर की ओर इशारा करते हैं।

स्वास्थ्य भविष्यवाणी

स्वास्थ्य ज्योतिष के अनुसार कुंडली का छठा भाव स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का खुलासा करता है। छठे घर में स्थित ग्रहों की स्थिति और पहलुओं की जांच से भविष्य में आने वाली परेशानियों का पता लगाया जा सकता है।

क्या ज्योतिष स्वास्थ्य में मदद कर सकता है?



ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म कुंडली का द्वितीय, षष्ठ, अष्टम और द्वादश भाव रोग, बीमारियों और सर्जरी के लिए जिम्मेदार होते हैं। इनमें से षष्ठ भाव रोगों का प्रमुख भाव है। षष्ठ भाव पर कोई भी कष्ट बीमारियों के लिए ग्रहों के संयोजन को दर्शाता है। यदि इनमें से कोई भी भाव कमजोर या दुर्बल है तो व्यक्ति विशिष्ट चिकित्सा समस्याओं से पीड़ित होगा। यदि आप [स्वास्थ्य भविष्यवाणी के लिए परामर्श](#) की तलाश कर रहे हैं, तो डॉ. विनय बजरंगी से संपर्क कर सकते हैं।

जन्म कुंडली से भविष्य कैसे जाने?



कुंडली में व्यवसाय योग कैसे जांचें?



जन्म कुंडली में व्यवसाय योग देखने के लिए जन्म कुंडली में बुध की स्थिति, दशम भाव यानी कर्म स्थान और एकादश भाव यानी सोर्स ऑफ इनकम का विश्लेषण किया जाता है। दशम भाव में जो ग्रह स्थित हो उसके गुण और स्वभाव के अनुसार व्यक्ति का व्यवसाय होता है।

लग्नेश के साथ पंचमेश का संयोग: अगर कुंडली में लग्नेश और पंचमेश युग्म होते हैं, तो यह व्यवसाय योग के रूप में माना जाता है। इस योग का असर व्यक्ति को उच्च पदों पर सफलता प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

लग्नेश और धन करक या धनेश का संयोग: जब कुंडली में लग्नेश और धन करक या धनेश का संयोग होता है, तो यह व्यवसाय में सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है।

ग्रहों के स्थिति: कुंडली में उपस्थित ग्रहों की स्थिति भी व्यवसाय सफलता को प्रभावित कर सकती है। उच्च ग्रहों की स्थिति व्यक्ति को उच्च पदों पर स्थान प्राप्त करने में मदद कर सकती है।

दशा और अंतरदशा: कुंडली में विभिन्न दशा और अंतरदशाओं की गणना भी **व्यवसाय में सफलता** के लिए महत्वपूर्ण होती है। ये दशा और अंतरदशाएं व्यक्ति के जीवन में उसे व्यवसाय में प्रगति करने का उपयुक्त समय बताती हैं।

व्यवसाय में सफलता के लिए उपाय



यदि आप एक सफल व्यवसायी बनना चाहते हैं तो जन्मकुंडली में इसके लिए एक शुभ योग बेहद ही जरूरी होता है। इसके साथ ही कुछ उपाय करके भी आप अपने व्यापार-व्यवसाय में तरक्की पा सकते हैं।

व्यवसाय का प्रतिनिधि कारक ग्रह बुध होता है। व्यवसाय में तरक्की करने के लिए बुध ग्रह को मजबूत करना चाहिए। इसके लिए भगवान श्री गणेशजी को प्रसन्न करें। प्रत्येक बुधवार गणेशजी को 108 दुर्वा और बेसन से बनी मिठाई का भोग लगाएं। ऐसा करने से आपको व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

किसी भी व्यक्ति की जन्म-कुंडली उसके भविष्य में आने वाली चुनौतियों और अवसरों को दर्शाती है। कुंडली में हर व्यक्ति का भविष्य छिपा होता है, जो हमें भविष्य के उतार-चढ़ाव के लिए तैयार रहने में मदद करती है। इस प्रकार, जन्म कुंडली एक महत्वपूर्ण और उपयोगी उपकरण है जो हमें जीवन की यात्रा में सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है।

Read more about: [Free Kundli Milan](#) | [Online Report for Health Prediction](#)

THANK YOU FOR VISITING US



**जन्म कुंडली से
भविष्य कैसे जाने?**



   @drvinaybajrangi

 www.vinaybajrangi.com

For IOS

For Android

SOURCE - <https://kundlihindi.com/blog/kundli-se-bhavishya-kaise-jane/>